ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-४० **टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६**
दिनांक-शुक्रवार,१९ मई,२०१७

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.९ एवं २३.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८२ सुबह में एवं दोपहर में ६५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ९.१ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.१ एवं दोपहर में ३४.२ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ९.० मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२०-२३ मई,२०१७)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २०-२३ मई,२०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

१. पुर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। २३ मई से आसमान में हल्के गरज वाले बादल बन सकतें हैं। इसके प्रभाव से मधुबनी एवं बेगुसराय जिलों में २३ मई के आसपास हल्की वर्षा हो सकती है।
२. अधिकतम तापमान ३५ से ३८ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है, जबकि न्यूनतम तापमान २५ से २६ डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।
३. औसतन १० से १५ कि० मी० प्रति घंटा की गति से पुरवा हवा चलने की संभावना है।
४. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७५ से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- ओल की फसल की रोपाई शीघ्र संपन्न करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में तथा अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। हल्दी के लिए बीज दर २० से २५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा अदरक के लिए १८ से २० क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार ३०-३५ ग्राम जिसमें ३ से ५ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी 30x20 से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए हल्दी २.५ ग्राम दाईथेन एम० ४५ + ०.१ प्रतिशत कारवेन्डाजीम प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे। रीडोमिल दवा के ०.२ प्रतिशत घोल से उपचारित कर अदरक की बुआई करें।
- अगात मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर ले। कीट-व्याधियों से पिछात बोई गई मुंग एवं उरद की फसल की सुरक्षा करें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई-गुड़ाई करें।
- लाल भृंग कीट से लत्तीदार सब्जियों की फसल को काफी नुकसान होता है। इस कीट के पीठ का रंग नारंगी लाल तथा अधर भाग का रंग काला होता है। इसके शिशु फसल की जड़ को तथा व्यस्क पत्तियों एवं फुलों को हानी पहुचाते है। इससे बचाव के लिए डाइक्लोरवाँस ७६ इ०सी० का १ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से घोलकर छिड़काव करे। गाय के गोबर की राख में थोड़ा किरासन मिलाकर पौधों पर सुबह में भुरकाव करने से इस कीट का आक्रमण कम हो जाता है।
- भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट की निगरानी करें। हरे रंग के छोटे कीट शिशु व प्रौढ दोनो भिण्डी की पत्तियों के निचले हिस्से में रहते है और रस चुसते है जिसके फलस्वरूप पत्तियॉ किनारे से पिली होकर सिकुड़ती है तथा प्यालानुमा आकार बनाकर धीरे धीरे सुखने लगती है। फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड ०.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में १० से १५ टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें।
- लम्बी अवधि वाले धान की किस्में जैसे-राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब-१ वी०पी०टी०-५२०४ एवं सत्यम की नर्सरी २५ मई से लगा सकते हैं। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। नर्सरी में क्यारी की चौराई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३५.० डिग्री सेल्सियस	आज का न्यूनतम तापमान :२४.२ डिग्री सेल्सियस

(ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी